परिवार का बोझा जो,
कंधो पर ढोता है,
कोई और नहीं प्यारे,
वो बाप ही होता है।।

परिवार की खातिर वो,
जब घर से निकलता है,
पैरो के तले अपने,
अरमान कुचलता है,
अरमान कुचलता है,
हालात से जो अक्सर,
करता समझौता है,
कोई और नहीं प्यारे,
वो बाप ही होता है।।

गंभीर दिखाई दे,
बेटे की पढ़ाई पे,
पत्थर भी मोम होता,
बेटी की बिदाई पे,
बेटी की बिदाई पे,
सीने से लगा बेटी,
वो फुट के रोता है,
कोई और नहीं प्यारे,
वो बाप ही होता है।।

दुनिया में पिता से ही,
पहचान मिली हमको,
सूरज सी चमकती जो,
वो शान मिली हमको,
सम्मान की माला में,
प्रतिभा को पिरोता है,
कोई और नहीं प्यारे,
वो बाप ही होता है।।

हर दु:ख हर चिंता को,
हसकर के वो झेले,
बच्चो पे मुसीबत हो,
वो मौत से जा खेले,
मेहनत के पसीने से,
नरसी दु:ख धोता है,
कोई और नहीं प्यारे,
वो बाप ही होता है।।

परिवार का बोझा जो,
कंधो पर ढोता है,
कोई और नहीं प्यारे,
वो बाप ही होता है।।

Singer & Writer Naresh Narsi
Contact (9416241061)

Source:
https://www.bharattemples.com/parivar-ka-bojha-jo-kandho-par-dhota-hai/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw